



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 262]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 23, 2011/ज्येष्ठ 2, 1933

No. 262]

NEW DELHI, MONDAY, MAY 23, 2011/JYAISTHA 2, 1933

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 मई, 2011

सं. 41/2011-सीमा-शुल्क

स.का.नि. 395(अ).—अभिहित प्राधिकारी, चीन जनवादी गणराज्य (चाइना पीआर) और संयुक्त अरब अमीरात (जिसे इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) में मूलतः उत्पादित या वहां से निर्यातित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अध्याय 69 के अंतर्गत आने वाले विट्रीफाइड पोर्सिलेन टाइल (जिसे इसके बाद संबद्ध माल कहा गया है) के आयात के मामले में भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग I, खंड 1, तारीख 4 फरवरी, 2003 में प्रकाशित अपने अंतिम निष्कर्ष अधिसूचना सं. 37/1/2001-डीजीएडी, तारीख 4 फरवरी, 2003 के द्वारा इस निर्णय पर पहुंचे थे, कि—

(क) संबद्ध देशों में मूलतः उदागमित या वहां से निर्यात किए गए विट्रीफाइड पोर्सिलेन टाइल का भारत को निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम पर किया गया, जिसके कारण पाठन हुआ है;

(ख) भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;

(ग) यदि क्षति संबद्ध देशों से आयातों के कारण हुई है;

और, अभिहित प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की क्षति दूर करने हेतु संबद्ध देश में मूल रूप से उदागमित या वहां से आयातित संबद्ध माल पर प्रतिपाटन शुल्क लगाने की सिफारिश की थी;

और अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त निष्कर्षों के आधार पर केन्द्रीय सरकार ने, भारत के राजपत्र असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खण्ड(i) तारीख 1 मई, 2003 में प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 73/2003-सीमा-शुल्क, तारीख 1 मई, 2003, स.का.नि. 376 (अ), तारीख 1 मई, 2003 द्वारा उक्त सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची के अध्याय 69 के संबद्ध में मूल रूप से उत्पादित या वहां से निर्यात किए गए संबद्ध माल पर प्रतिपाटन शुल्क अधिरोपित किया गया था;

और, जबकि, अभिहित प्राधिकारी के अंतिम निष्कर्ष अधिसूचना सं. 15/17/2006-डीजीएडी, तारीख 21 अप्रैल, 2008, प्रतिपाटन शुल्क की समीक्षा जो भारत राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 1, तारीख 21 अप्रैल, 2008 में प्रकाशित हुई थी के जरिए इस निर्णय पर पहुंचे थे, कि—

(क) संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से प्रतिपाटन नहीं हो रहा है;

- (ख) वर्तमान पाटनरोधी शुल्क वापस किए जाने की स्थिति में चाइना पी आर से संबद्ध वस्तुओं के भारतीय बाजार में प्रतिपाटन दर पर आयात की संभावना है;
- (ग) प्रतिपाटन उपायों के बावजूद घरेलू उद्योग को क्षति मौजूद है और इस बात का कोई सबूत नहीं है. प्रतिपाटन शुल्क समाप्त हो जाने की स्थिति में प्रतिपाटन अथवा घरेलू उद्योग को क्षति की संभावना ना हो; और अभिहित प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की क्षति दूर करने हेतु चाइना पीआर से मूल रूप से उद्गमित या वहां से आयातित संबद्ध माल पर प्रतिपाटन शुल्क जारी रखने की सिफारिश की थी,

और जबकि अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त निष्कर्षों के आधार पर केन्द्रीय सरकार ने भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) तारीख 27 जून, 2008 में प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 82/2008-सीमाशुल्क, तारीख 27 जून, 2008 सा. का. नि. 485 (अ), तारीख 27 जून, 2008 द्वारा चाइना पीआर में मूल रूप से उत्पादित या वहां से निर्यात किए गए मूल रूप से उत्पादित या वहां से निर्यात किए गए संबद्ध माल पर चाइना पीआर में मूल रूप से उत्पादित या वहां से निर्यात किए गए संबद्ध माल पर प्रतिपाटन शुल्क अधिरोपित किया गया था;

और जबकि मैसर्स जियांगसी झेंगडा सिरैमिक्स कं. लि. चाइना पीआर (उत्पादक) मैसर्स फोशान जेड एंड डी सिरामिक्स कम्पनी लि. चाइना पीआर (निर्यातक) चाइना पीआर ने सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उस पर प्रतिपाटित शुल्क का निर्धारण और संग्रहण तथा क्षति का अवधारण) नियम, 1995 के नियम 22 के तहत उसके द्वारा किए गए निर्यातों की समीक्षा का निवेदन किया है तथा अभिहित प्राधिकारी ने भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग I खंड 1 तारीख 21 फरवरी, 2011 में प्रकाशित अधिसूचना सं. 15/29/2010-डीजीएडी तारीख 21 फरवरी, 2011 द्वारा उक्त मैसर्स जियांगसी झेंगडा सिरैमिक्स कं. लि. चाइना पीआर (उत्पादक) मैसर्स फोशान जेड एंड डी सिरामिक्स कम्पनी मूल्यांकन की सिफारिश की है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उस पर प्रतिपाटित शुल्क का निर्धारण और संग्रहण तथा निष्कर्षों के आधार पर अभिहित प्राधिकारी के उक्त समीक्षा के पूरे होने तक यह आदेश देती है कि मैसर्स जियांगसी झेंगडा सिरैमिक्स कं. लि. चाइना पी आर (उत्पादक) मैसर्स फोशान जेड एंड डी सिरामिक्स कम्पनी लि. चाइना पीआर (निर्यातक) चाइना पीआर द्वारा उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के शीर्ष 6907 या 6908 या 6914 के अंतर्गत आने वाले विट्रीफाइड पोर्सिलेन टाइल सभी निर्यातों का, समीक्षा के पूरे होने तक, अंतिम मूल्यांकन की सिफारिश की है;

2. अनेक मूल्यांकन के लिए ऐसी गंतव्य आवश्यक होगी जो यथास्थिति सीमाशुल्क सहायक आयुक्त या सीमाशुल्क उपायुक्त द्वारा समीक्षा के पूरे होने तक अभिहित प्राधिकारी द्वारा पूर्व प्रभावी रूप से प्रतिपाटन शुल्क अधिरोपित करने की स्थिति में अपर्याप्तता की अदायगी के लिए समुचित समझी गई हो।

3. यदि अभिहित प्राधिकारी के समीक्षा के पूरे होने पर प्रतिपाटन शुल्क की सिफारिश करते हैं आयातक, ऐसी प्रतिपाटित शुल्क की (निर्यातक) चाइना पीआर द्वारा भारत में किए गए सभी विट्रीफाइड पोर्सिलेन टाइल के आयातों पर जो अभिहित प्राधिकारी द्वारा सिफारिश की गई हो, जांच की अवधि के प्रारंभ की तारीख से अदा करेगा।

[फा. सं. 354/214/2001-टीआरयू (पार्ट-IV)]

संजीव कुमार सिंह, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd May, 2011

No. 41/2011-Customs

G.S.R. 395(E)—Whereas, in the matter of import of Vitrified Porcelain Tiles, (hereinafter referred to as the 'subject goods'), falling under Chapter 69 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) (hereinafter referred to as the 'Customs Tariff Act') and originating in, or exported from the People's Republic of China (China PR) and United Arab Emirates (hereinafter referred to as the 'subject countries'), the designated authority, vide its final findings in notification No. 37/1/2001-DGAD dated 4th February, 2003 in the original anti-dumping case published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 4th February, 2003 had come to the conclusion that—

- (i) Vitrified Porcelain Tiles have been exported to India from UAE and China PR below its normal value resulting in dumping;
- (ii) the Indian industry has suffered material injury;
- (iii) the injury has been caused cumulatively by the imports from the subject countries.

and had recommended to impose anti-dumping duty on all imports of Vitrified Porcelain Tiles from subject countries in order to remove the injury to the domestic industry;

And whereas on the basis of the aforesaid findings of the designated authority, the Central Government had imposed an anti-dumping duty on subject goods falling under Chapter 69 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, originating in or exported from China PR and imported into India vide notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 73/2003-Customs, dated the 1st May, 2003, published in Part II, Section 3, Sub-Section (i) of the Gazette of India, Extraordinary, G.S.R. 376(E) dated the 1st May, 2003;

And whereas, the designated authority, in its final findings notification No. 15/17/2006-DGAD dated 21st April, 2008 in the Sunset Review anti-dumping case published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 21st April, 2008 had come to the conclusion that—

- (i) there is no dumping taking place from United Arab Emirates (UAE);
- (ii) the subject goods are likely to enter Indian market at dumped prices from China PR, should the present measures be withdrawn;
- (iii) in spite of the anti-dumping measures in place, there exists significant current injury to the domestic industry. There is also no evidence on record to suggest that dumping or the injury to the domestic industry would cease to exist or is not likely to recur in case the anti-dumping duties are discontinued;

and had recommended continued imposition of the anti-dumping duty on the subject goods originating in, or exported from, China PR in order to remove injury to the domestic industry;

And whereas on the basis of the aforesaid findings of the designated authority, the Central Government had imposed an anti-dumping duty on subject goods falling under heading 6907 or 6908 or 6914 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, originating in or exported from China PR and imported into India vide notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 82/2008-Customs, dated the 27th June, 2008 published in Part II, Section 3, Sub-Section (i) of the Gazette of India, Extraordinary, G.S.R. 485(E) dated the 27th June, 2008;

And whereas, in the said matter, M/s. Jiangxi Zhengda Ceramics Co. Ltd, China PR (producer) through M/s. Foshan Z&D Ceramics Co. Ltd., China PR (exporter) have requested for review in terms of rule 22 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 in respect of exports made by them, and the designated authority, vide new shipper review notification No. 15/29/2010-DGAD, dated the 21st February, 2011 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 21st February, 2011 has recommended provisional assessment of all exports of the subject goods made by M/s. Jiangxi Zhengda Ceramics Co. Ltd., China PR (producer) through M/s Foshan Z&D Ceramics Co. Ltd., China PR (exporter) when imported into India, till the completion of the said review;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 22 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, the Central Government, after considering the aforesaid recommendation of the designated authority, hereby orders that pending the outcome of the said review by the designated authority, export of Vitrified Porcelain Tiles falling under heading 6907 or 6908 or 6914 of the First Schedule to the Customs Tariff Act by M/s. Jiangxi Zhengda Ceramics Co. Ltd., China PR (producer) through M/s Foshan Z&D Ceramics Co. Ltd., China PR (exporter) when imported into India, shall be subjected to provisional assessment till the review is completed.

2. The provisional assessment may be subject to such security or guarantee as the Assistant Commissioner of Customs or Deputy Commissioner of Customs, as the case may be, deems fit for payment of the deficiency, if any, in case a definitive anti-dumping duty is imposed retrospectively, on completion of investigation by the designated authority.

3. In case of recommendation of anti-dumping duty after completion of the said review by the designated authority, the importer shall be liable to pay the amount of such anti-dumping duty recommended on review and imposed on all imports of Vitrified Porcelain Tiles, when exported by M/s. Jiangxi Zhengda Ceramics Co. Ltd. China PR (producer) through M/s. Foshan Z&D Ceramics Co. Ltd. China PR (exporter) from the date of initiation of the said review.

[F. No. 354/214/2001-TRU (Pt. IV)]
SANJEEV KUMAR SINGH, Under Secy.